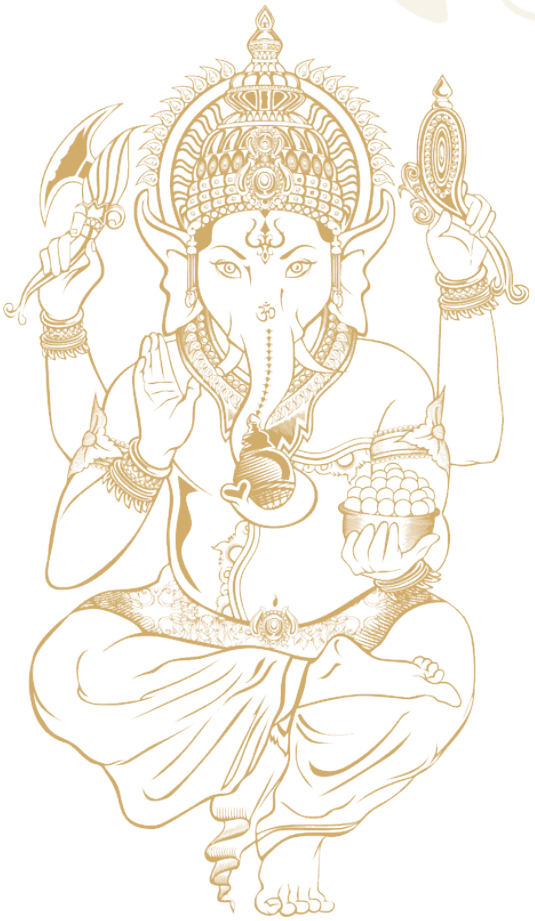

11 May 2012

06:10 AM

Dehradun

Model: web-freekundliweb

Order No: 121137003

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/05/2012**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**06:10:00 घंटे**
इष्ट	01:48:29 घटी
स्थान	**Dehradun**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	78:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:52:12 घंटे
वेलान्तर	00:03:38 घंटे
साम्पातिक काल	21:09:02 घंटे
सूर्योदय	05:26:36 घंटे
सूर्यास्त	19:02:11 घंटे
दिनमान	13:35:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	26:42:07 मेष
लग्न के अंश	07:59:30 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शुभ
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जामवंत
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	07:59:30	395:56:37	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	---
सूर्य			मेष	26:42:07	00:57:57	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	उच्च राशि
चंद्र			मक	03:28:18	13:43:15	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
मंगल			सिंह	13:34:06	00:16:11	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
बुध			मेष	09:08:57	01:47:19	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
गुरु		अ	मेष	28:32:40	00:14:14	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			वृष	29:33:33	00:10:18	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	स्वराशि
शनि	व		तुला	00:18:39	00:03:52	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	उच्च राशि
राहु			वृश्चि	11:06:42	00:01:03	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
केतु			वृष	11:06:42	00:01:03	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	सम राशि
हर्ष			मीन	12:58:54	00:02:41	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	---
नेप			कुंभ	08:57:03	00:00:48	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
प्लूटो	व		धनु	15:18:02	00:00:52	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
दशम भाव			मक	20:45:34	--	श्रवण	--	22	शनि	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:02:02

लग्न-चलित

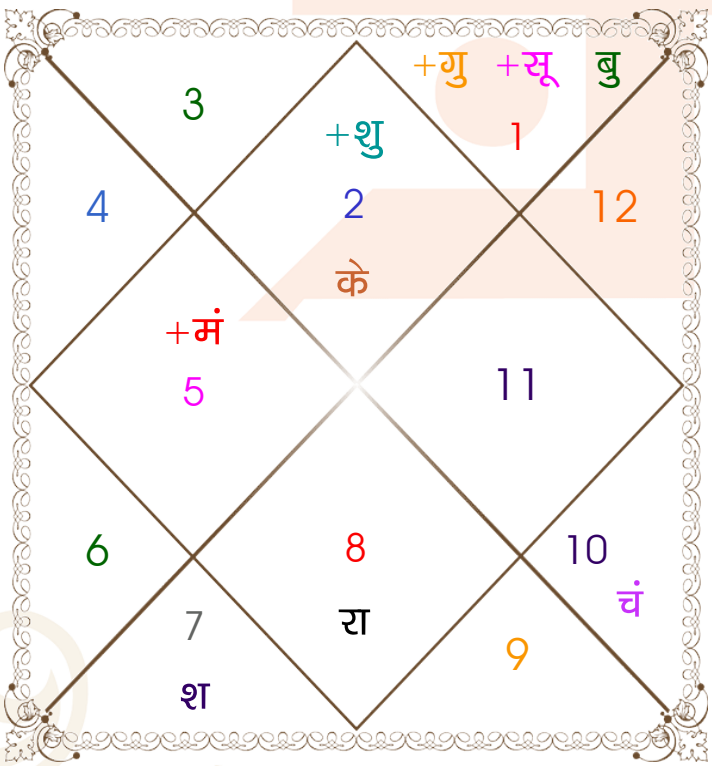

चन्द्र कुंडली

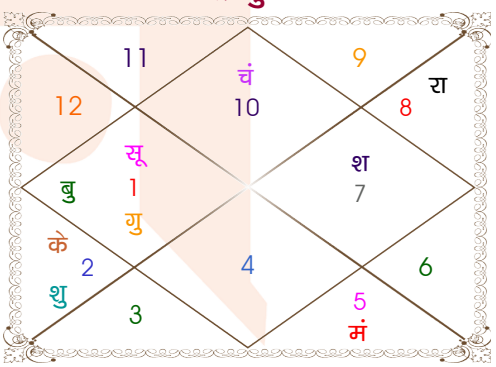

नवमांश कुंडली

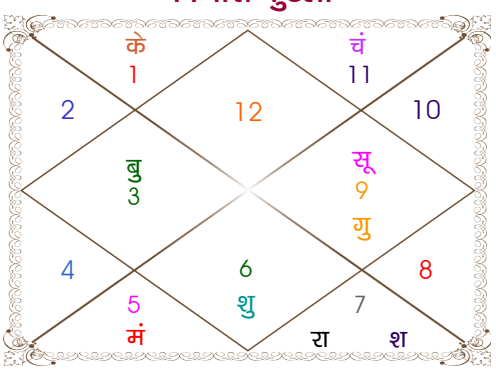

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 11 मास 7 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
11/05/2012		19/04/2015		18/04/2025		18/04/2032		19/04/2050	
19/04/2015		18/04/2025		18/04/2032		19/04/2050		19/04/2066	
	00/00/0000	चंद्र	17/02/2016	मंगल	14/09/2025	राहु	30/12/2034	गुरु	06/06/2052
	00/00/0000	मंगल	17/09/2016	राहु	03/10/2026	गुरु	25/05/2037	शनि	18/12/2054
	00/00/0000	राहु	19/03/2018	गुरु	09/09/2027	शनि	31/03/2040	बुध	25/03/2057
	00/00/0000	गुरु	19/07/2019	शनि	18/10/2028	बुध	18/10/2042	केतु	01/03/2058
	11/05/2012	शनि	16/02/2021	बुध	15/10/2029	केतु	06/11/2043	शुक्र	30/10/2060
शनि	04/02/2013	बुध	19/07/2022	केतु	13/03/2030	शुक्र	05/11/2046	सूर्य	18/08/2061
बुध	12/12/2013	केतु	17/02/2023	शुक्र	13/05/2031	सूर्य	30/09/2047	चंद्र	18/12/2062
केतु	19/04/2014	शुक्र	18/10/2024	सूर्य	18/09/2031	चंद्र	31/03/2049	मंगल	24/11/2063
शुक्र	19/04/2015	सूर्य	18/04/2025	चंद्र	18/04/2032	मंगल	19/04/2050	राहु	19/04/2066

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
19/04/2066		18/04/2085		20/04/2102		19/04/2109		19/04/2129	
18/04/2085		20/04/2102		19/04/2109		19/04/2129		00/00/0000	
शनि	21/04/2069	बुध	15/09/2087	केतु	16/09/2102	शुक्र	19/08/2112	सूर्य	07/08/2129
बुध	30/12/2071	केतु	11/09/2088	शुक्र	16/11/2103	सूर्य	19/08/2113	चंद्र	05/02/2130
केतु	07/02/2073	शुक्र	13/07/2091	सूर्य	23/03/2104	चंद्र	20/04/2115	मंगल	13/06/2130
शुक्र	09/04/2076	सूर्य	18/05/2092	चंद्र	22/10/2104	मंगल	19/06/2116	राहु	08/05/2131
सूर्य	22/03/2077	चंद्र	18/10/2093	मंगल	20/03/2105	राहु	20/06/2119	गुरु	24/02/2132
चंद्र	21/10/2078	मंगल	15/10/2094	राहु	07/04/2106	गुरु	18/02/2122	शनि	12/05/2132
मंगल	30/11/2079	राहु	03/05/2097	गुरु	14/03/2107	शनि	19/04/2125		00/00/0000
राहु	06/10/2082	गुरु	09/08/2099	शनि	22/04/2108	बुध	18/02/2128		00/00/0000
गुरु	18/04/2085	शनि	20/04/2102	बुध	19/04/2109	केतु	19/04/2129		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 11 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म कृतिका नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ है। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न में मीन का नवमांश एवं वृषभ राशि का द्रेष्काण उदित था। उपयुक्त लग्न नवमांश के प्रभाव से आप जब मानवीय जीवन में प्रवेश किए अर्थात् बाल्यकाल से ही आपका जीवन अच्छे विचार से प्रारंभ हुआ। यथा उत्तम प्रकार का भोजन, उदार भावना, उत्कृष्ट साज-श्रृंगार पहनावा आदि अन्य व्यक्तियों को प्रभावित करता है। आप काम शक्ति भावना से प्रेरित हैं, तथा आप अपनी संपत्ति को यथा संभव अखंडित एवं अपव्यय रहित धन कोष की वृद्धि के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहने का ज्ञान आप में विद्यमान है। आप धन की महत्ता को भलीं प्रकार जानते हैं, तथा धन संचयन को महत्व देते हैं। आप अपने धन का निवेश एवं व्यय के प्रति अत्यंत सतर्क रहेंगे। तथापि आपकी एक छोटी यह समस्या है कि अकस्मात् आप ठीक निर्धारित समय पर काम के प्रति आलस्य ग्रस्त हो जाते हैं, तथा शीघ्र ही उस कार्य को सुलभ और आसान समझ लेते हैं। आपको इस प्रकार की मनोवृति में बदलाव लाना अर्थात् दमन करना आवश्यक है।

यद्यपि आप सांसारिक सुखों से युक्त, धन से संपन्न एवं अत्यधिक सुसंस्कृत हैं। आप बहुत बड़े धार्मिक तथा धर्मस्थलों की यात्रा भी करते रहते हैं। आप अब तक निश्चित रूप से कई आंशिक यात्रा के क्रम में सामुद्रिक यात्रा करके बहुत व्यापाक रूप से मित्र बनाए हैं और बहुत मात्रा में देश और विदेश के क्षेत्रों में आपके कई घनिष्ट मित्र बन चुके हैं। वे लोग आपके कार्य-कलाप में मुख्य भूमिका निभाते हैं। आप भी उन मित्रों के साथ सहयोगात्मक भावना से यदा-कदा उनकी सहायता के लिए समय-समय पर निश्चित रूप से जाते हैं।

आप मध्यम कद के उन्नत लालट एवं चमकीली आखों से युक्त हैं। आप अधिक समय तक सुंदर स्वास्थ्य से युक्त एवं आनंद प्राप्त करते रहेंगे। परंतु कुछ वर्षों के पश्चात् आपको स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उपस्थित होंगी। यथा मस्तिष्क ज्वर, कब्जीयत फोड़ा फुंसी एवं रक्त दोष से आशंत होंगे। आपको एक बार बीमार होने से परेशानी उपस्थित होगी कि आप दीर्घकालीन रोगग्रत होंगे तथा आपके दौर्बल्यता के कारण बेहोश भी हो जाया करेंगे, तथा आपको स्वास्थ्य लाभ की क्षमता सीमित मात्रा में रहेगी। अतएव आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें। अन्यथा इस प्रकार ऐसा संभाव्य है कि आप रोग से मुक्त नहीं हो सकेंगे। आपके द्वारा पसंद किया गया जीवन साथी के साथ पूर्ण रूपेण बहुत दिनों तक आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु एक बार अपनी इच्छानुसार आश्वस्त होकर सामंजस्य कर लें तो जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा तथा पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सामान्यतः आपको निर्देश है कि आपका प्रभाव बृष राशीय दृष्टिकोण से प्रभावित है अतः आपके लिए बृश्चिक, मीन, कन्या एवं मकर राशि के व्यक्ति अनुकूल रहेंगे। यदि आप इन राशि वालों से संबंधित रहे तों आपका भौतिकी जीवन सुखमय एवं मधुर रहेगा।

अंततः आप बहुत अधिक सचेत व्यक्ति हैं, अस्तु आपको निम्नलिखित विषयों पर ध्यान देना आवश्यक है।

आप लाल रंग का उपयोग अपने जीवन में कदापि नहीं करें। क्योंकि यह रंग आपके लिए प्रतिकूल है। आपके लिए हरा, गुलाबी, एवं सफेद रंग जन्म प्रभाव से अनुकूल है।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक पूर्ण रूपेण प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त अंक 7 एवं 8 अंक आपके लिए आकर्षक है। अंक-1, 3, 4 एवं 6 अंक आपके लिए निष्क्रिय दिन हैं।